

## अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दविस 2023

स्रोत: पी.आई.बी.

### चर्चा में क्यों?

अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दविस (23 सतिंबर) के अवसर पर भारत सरकार ने सुनने में अक्षम लोगों के लिये संचार और अभिगम्यता में सुधार हेतु कई पहलें शुरू की हैं।

- सुनने में अक्षम लोगों के लिये पहलों में ऑनलाइन भारतीय सांकेतिक भाषा (ISL) पाठ्यक्रम, ISL में वित्तीय क्षेत्र से संबंधित 267 संकेतों की शुरुआत, एक व्यापक ISL शब्दकोश, वशिष स्कूलों के लिये अनुकूलित पाठ्यक्रम तथा बेहतर संचार के लिये व्हाट्सएप-आधारित वीडियो रल्लि सेवा शामिल है।

### अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दविस:

#### ■ परचिय:

- अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दविस एक वार्षिक कार्यक्रम है जो वशिष के बधरि समुदायों की भाषाई और सांस्कृतिक वविधिता को बढ़ावा देता है।
- वर्ष 2017 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 23 सतिंबर को अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दविस मनाने के आधिकारिक दिन के रूप में घोषित किया।
- यह बधरि समुदायों के जीवन में सांकेतिक भाषाओं के महत्त्व और मानव वविधिता के एक अनविर्य हसिसे के रूप में उनकी रक्षा करने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने का एक अवसर है।
- वशिष में लाखों लोग संचार के प्राथमिक साधन के रूप में सांकेतिक भाषा का उपयोग करते हैं।
  - वे अपने स्वयं के व्याकरण और वाक्यवन्वियास के साथ जटिल दृश्य-संकेत संचार प्रणालियाँ हैं।

#### ■ 2023 की थीम:

- एक ऐसी दुनिया जहाँ बधरि लोग कही भी हस्ताक्षर कर सकते हैं।

#### ■ इतहास:

- वशिष बधरि महासंघ (World Federation of the Deaf- WFD), जो बधरिों के 135 राष्ट्रीय महासंघों का एक संघ है, नेरे वशिष के अनुमानित 70 मिलियन बधरि लोगों की ओर से इस दिन के लिये वचिर प्रस्तावित किया।
- संयुक्त राष्ट्र में एंटीगुआ और बारबुडा के स्थायी मशिन ने संयुक्त राष्ट्र के 97 अन्य सदस्य देशों के साथ मलिकर एक प्रस्ताव प्रायोजित किया, जसि दसिंबर, 2017 में सर्वसम्मति से अपनाया गया।
- वर्ष 1951 में जब WFD की स्थापना हुई थी तो इस दिन का सम्मान करने के लिये 23 सतिंबर की तारीख चुनी गई थी।
- वर्ष 2018 में, बधरिों के अंतर्राष्ट्रीय सप्ताह के एक हसिसे के रूप में, पहली बार अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दविस मनाया गया।

#### ■ बधरि लोगों की वर्तमान स्थिति:

- वशिष बधरि महासंघ के अनुसार, वर्तमान में वशिष में लगभग 70 मिलियन से अधिक लोग बधरि हैं।
- उनमें से 80% से अधिक अवकिसति देशों में रहते हैं। वे सामूहिक रूप से 300 से अधिक वभिन्न सांकेतिक भाषाओं का प्रयोग करते हैं।